# हिन्दी साहित्य का इतिहास

**1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा का सूत्रपात किसने किया?**

(a) जॉर्ज ग्रियर्सन (b) गार्सा-द-तासी

(c) रामचन्द्र शुक्ल (d) मिश्रबन्धु

**T.G.T. परीक्षा, 2002**

**उत्तर—(b)**

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा का सूत्रपात 'गार्सा-द-तासी' ने किया, जिन्होंने फ्रेंच भाषा में 'इस्तवार-द-ला लितरेत्युर एन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी' ग्रन्थ लिखा, इसमें हिन्दी और उर्दू के अनेक कवियों का विवरण वर्णक्रमानुसार दिया गया है। इसका प्रथम भाग सन् 1839 में तथा द्वितीय भाग सन् 1847 में प्रकाशित हुआ था।

**अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**

➲ सन् 1888 में 'एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल' की पत्रिका के विशेषांक के रूप में जॉर्ज ग्रियर्सन द्वारा रचित 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' का प्रकाशन हुआ, जो नाम से 'इतिहास' न होते हुए भी सच्चे अर्थ में हिन्दी साहित्य का पहला इतिहास कहा जा सकता है।

**2. हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन का सर्वप्रथम प्रयास किसने किया था?**

(a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (b) ग्रियर्सन

(c) गार्सा-द-तासी (d) हजारी प्रसाद द्विवेदी

**K.V.S. (प्रवक्ता) परीक्षा, 2014**

**उत्तर—(c)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**3. हिन्दी साहित्य के इतिहास का लेखन सर्वप्रथम किस भाषा में हुआ?**

(a) अंग्रेजी (b) फ्रेंच

(c) जर्मनी (d) उर्दू

**नवोदय विद्यालय (प्रवक्ता) परीक्षा, 2014**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**4. हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखने वाले प्रथम लेखक का नाम है—**

(a) रामचन्द्र शुक्ल (b) गार्सा-द-तासी

(c) शिवसिंह सेंगर (d) मिश्रबन्धु

**P.G.T. परीक्षा, 2002**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**5. कालक्रमानुसार लिखा गया हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास ग्रन्थ है-**

(a) शिवसिंह सरोज

(b) इस्तवार-द-ला लितरेत्युर एन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी

(c) तसकिराए शुअरा हिन्दी

(d) द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान

**आश्रम पद्धति (प्रवक्ता) परीक्षा, 2009**

**उत्तर—(d)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**6. 'इस्तवार-द-ला लितरेत्युर एन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी' नामक हिन्दी साहित्य के इतिहास-ग्रंथ के लेखक का नाम है-**

(a) गार्सा-द-तासी (b) जॉर्ज ग्रियर्सन

(c) शेक्सपियर (d) विलियम वर्ड्सवर्थ

**P.G.T. परीक्षा, 2002**

**उत्तर—(a)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**7. हिन्दी साहित्य का पहला इतिहास लिखा गया था-**

(a) संस्कृत भाषा में (b) जर्मन भाषा में

(c) फ्रेंच भाषा में (d) अंग्रेजी भाषा में

**T.G.T. परीक्षा, 2001**

**उत्तर—(c)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**8. हिन्दी का प्रथम व्याकरण लिखने वाले विद्वान हैं-**

(a) जोशुआ केटलर (b) किशोरीदास बाजपेयी

(c) जॉर्ज ग्रियर्सन (d) कामता प्रसाद गुरु

**P.G.T. परीक्षा, 2009**

**उत्तर—(a)**

हिन्दी का प्रथम व्याकरण लिखने वाले विद्वान जोहन जोशुआ केटलर, डच (पुर्तगाल) ईस्ट इंडिया कम्पनी के राजदूत बनकर भारत आये थे। उन्होंने अपने देशवासियों को भारत में व्यावसायिक सुविधा की दृष्टि से हिन्दी का सामान्य ज्ञान कराने के लिए व्याकरण की पुस्तक 'हिन्दुस्तानी ग्रामर' लिखी थी, जो सन् 1715 के आस-पास प्रकाशित हुई। इस ग्रामर की रचना डच भाषा में की गई थी। डॉ. ग्रियर्सन ने अपने ग्रन्थ 'लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया' (Linguistic Survey of India) में इस पुस्तक का तथा उसके लेखक का संक्षिप्त परिचय दिया है। सन् 1943 में पं. किशोरीदास बाजपेयी का 'ब्रजभाषा व्याकरण' प्रकाशित हुआ और इसी के साथ व्याकरण लेखन में नई चेतना का संचार हुआ। इसके बाद बाजपेयी जी की अच्छी हिन्दी का नमूना (1948), ब्रजभाषा का प्रथम व्याकरण (1949), हिन्दी निरुक्त (1949) तथा हिन्दी शब्दानुशासन (1958) प्रकाशित हुआ।

**9. हिन्दी साहित्य के इतिहास को व्यवस्थित रूप देने का श्रेय किसको है?**

(a) शिवसिंह सेंगर (b) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(c) जॉर्ज ग्रियर्सन (d) मिश्रबन्धु

**P.G.T. परीक्षा, 2004**

**उत्तर—(b)**

हिन्दी साहित्य के इतिहास को व्यवस्थित रूप देने का श्रेय आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को है। इन्होंने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' (1929) लिखा, जो मूलतः नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'हिन्दी शब्द-सागर' की भूमिका के रूप में लिखा गया था तथा जिसे आगे परिवर्द्धित एवं विस्तृत करके स्वतन्त्र पुस्तक का रूप दे दिया गया।

**अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**

➲ 'शिवसिंह सरोज' (1883) में लगभग एक सहस्र भाषा-कवियों का जीवन चरित्र उनकी कविताओं के उदाहरण सहित प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है, यह शिवसिंह सेंगर कृत है।

**10. रामचन्द्र शुक्ल का 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' मूलतः किस कृति की भूमिका के रूप में लिखा गया था?** हिन्दी हिन्दी

(a) हिन्दी कोविद रत्नमाला (b) हिन्दी शब्दसागर
(c) हिन्दी विश्वकोश (d) धर्मशास्त्र का इतिहास

**G.I.C. (प्रवक्ता) परीक्षा, 2017**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें

**11. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा रचित ''हिन्दी साहित्य का इतिहास'' का प्रकाशन वर्ष है—**

(a) 1917 (b) 1918
(c) 1919 (d) 1929

**दिल्ली केन्द्रीय विद्यालय (P.G.T.) परीक्षा, 2015**

**उत्तर—(d)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**12. इनमें से वह कौन-सी रचना है, जिसे मूलतः 'हिन्दी शब्द-सागर' की भूमिका के रूप में लिखा गया था, किन्तु बाद में उसे स्वतन्त्र ग्रन्थ भी बना दिया गया?**

(a) रामकुमार वर्मा कृत 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास'
(b) गणपतिचन्द्र गुप्त कृत 'हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास'
(c) रामचन्द्र शुक्ल कृत 'हिन्दी साहित्य का इतिहास'
(d) शिवसिंह सेगर कृत 'शिवसिंह सरोज'

**K.V.S. (प्रवक्ता) परीक्षा, 2014**

**उत्तर—(c)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**13. आंग्ल भाषा में लिखा गया हिन्दी साहित्य का इतिहास 'स्केच ऑफ हिन्दी लिटरेचर' के लेखक हैं-**

(a) पादरी एफ.ई.के. (b) पादरी एडसिन ग्रीब्ज
(c) गार्सा-द-तासी (d) जॉर्ज ग्रियर्सन

**P.G.T. परीक्षा, 2000**

**उत्तर—(b)**

आंग्ल भाषा में लिखा गया हिन्दी साहित्य का इतिहास 'स्केच ऑफ लिटरेचर' के लेखक पादरी एडसिन ग्रीब्ज हैं।पादरी एफ.ई.के. द्वारा लिखित हिन्दी साहित्य का इतिहास 'ए हिस्ट्री ऑफ हिन्दी लिटरेचर' नाम से प्रकाशित हुआ था। 'दि मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' के लेखक जॉर्ज ग्रियर्सन हैं।

**14. ग्रियर्सन कृत 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' का हिन्दी अनुवाद किसने किया?**

(a) डॉ. किशोरी लाल गुप्त (b) डॉ. रामकुमार वर्मा
(c) डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (d) डॉ. जगदीश गुप्त

**P.G.T. परीक्षा, 2002**

**उत्तर—(a)**

ग्रियर्सन द्वारा रचित 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' का हिन्दी अनुवाद डॉ. किशोरी लाल गुप्ता ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' के नाम से किया है।

**अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**

➲ किशोरी लाल गुप्त का जन्म वर्ष 1916 में भदोही (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। ये पण्डित विश्वनथ प्रसाद मिश्र के प्रमुख शिष्यों में से एक थे।
➲ गुप्त जी को 'विन्ध गौरव' से सम्मानित किया गया था। गुप्त जी की कृति 'हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास' हिन्दी प्रचारक संस्थान वाराणसी से प्रकाशित हुई थी।
➲ किशोरी लाल गुप्त की अन्तिम प्रकाशित कृति सूरसागर की टीका चार खण्डों में है।

**15. 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' हिन्दी साहित्य के इतिहास ग्रन्थ के लेखक का नाम है—**

(a) जॉर्ज ग्रियर्सन (b) गार्सा-द-तासी
(c) विलियम वर्ड्सवर्थ (d) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

**P.G.T. परीक्षा, 2004**

**उत्तर—(a)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**16. ''द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान'' का लेखक है—**

(a) गार्सा-द-तासी (b) गिलक्राइस्ट
(c) जॉर्ज ग्रियर्सन (d) मैक्समुल्लर

**दिल्ली केन्द्रीय विद्यालय (P.G.T.) परीक्षा, 2015**

**उत्तर—(c)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**17. डॉ किशोरी लाल गुप्त ने इनमें से किस ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद 'हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास' शीर्षक से किया है?**

(a) 'इस्तवार-द-ला लितरेत्युर एन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी'

(b) 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान'

(c) 'ए स्केच ऑफ हिन्दी लिटरेचर'

(d) 'ए हिस्ट्री ऑफ हिन्दी लिटरेचर'

**G.I.C. (प्रवक्ता)परीक्षा, 2012**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**18. इनमें से किस साहित्येतिहास ग्रंथ को किशोरीलाल गुप्त ने 'हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास' नाम से अनुवाद करके प्रकाशित कराया?**

(a) 'इस्तवार-द-ला लितरेत्युर एन्दुई-ए-एदुस्तानी' को

(b) 'ए स्केच ऑफ हिन्दी लिटरेचर' को

(c) 'ए हिस्ट्री ऑफ हिन्दी लिटरेचर' को

(d) 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दर्न हिन्दुस्तान' को

**G.I.C. (प्रवक्ता)परीक्षा, 2017**

**उत्तर—(d)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**19. किस लेखक के इतिहास ग्रन्थ में सर्वप्रथम हिन्दी साहित्य का काल विभाजन मिलता है?**

(a) शिवसिंह सेंगर (b) महेशदत्त शुक्ल

(c) मौलवी करीमुद्दीन (d) जॉर्ज ग्रियर्सन

**आश्रम पद्धति (प्रवक्ता) परीक्षा, 2009**

**उत्तर—(d)**

हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन करने वाले प्रथम इतिहासकार डॉ.जॉर्ज ग्रियर्सन हैं। उन्होंने आदिकाल की अंतिम सीमा 1400 ई. तक मानी है।

**20. किस साहित्येतिहास के लेखक ने काल विभाजन में कवियों के नाम का सर्वाधिक उपयोग किया है?**

(a) मिश्रबन्धु (b) ग्रियर्सन

(c) हरिऔध (d) श्यामसुन्दर दास

**आश्रम पद्धति (प्रवक्ता) परीक्षा, 2012**

**उत्तर—(a)**

हिन्दी साहित्येतिहास की परम्परा में मिश्रबन्धुओं ने अपनी कृति 'मिश्रबन्धु विनोद' में लगभग 5000 कवियों को स्थान दिया, जिसे आठ से भी अधिक काल-खंडों में विभक्त किया है। इस प्रकार मिश्रबन्धुओं ने काल विभाजन में सर्वाधिक कवियों के नाम का उल्लेख किया है।

**21. 'मिश्रबन्धु विनोद' नामक हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों के नाम हैं-**

(a) श्याम बिहारी मिश्र, शुकदेव बिहारी मिश्र और राम बिहारी मिश्र

(b) गणेश बिहारी मिश्र, श्याम बिहारी मिश्र और शुकदेव बिहारी मिश्र

(c) गणेश बिहारी मिश्र, श्याम बिहारी मिश्र और राम बिहारी मिश्र

(d) गणेश बिहारी मिश्र, शुकदेव बिहारी मिश्र और राम बिहारी मिश्र

**T.G.T. परीक्षा, 2009**

**उत्तर—(b)**

'मिश्रबन्धु विनोद' नामक हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों के नाम गणेश बिहारी मिश्र, श्याम बिहारी मिश्र एवं शुकदेव बिहारी मिश्र हैं। 'मिश्रबन्धु विनोद' के चार भाग थे। प्रथम तीन भागों का प्रकाशन सन् 1913 में किया गया, जबकि चौथा भाग सन् 1934 में प्रकाशित हुआ। मिश्रबन्धुओं ने मिश्रबन्धु विनोद के प्रथम तीन भागों को 'हिन्दी नवरत्न' के नाम से प्रकाशित कराया।

**22. 'मिश्रबन्धु विनोद' का चौथा भाग कब प्रकाशित हुआ?**

(a) 1934 ई. में (b) 1913 ई. में

(c) 1910 ई. में (d) 1900 ई. में

**G.I.C. (प्रवक्ता)परीक्षा, 2015**

**उत्तर—(a)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**23. 'मिश्रबन्धुविनोद' कितने भागों में प्रकाशित हुआ है?**

(a) तीन भाग (b) चार भाग

(c) एक भाग (d) दो भाग

**आश्रम पद्धति (प्रवक्ता) परीक्षा, 2012**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**24. मिश्रबन्धुओं ने 'परिवर्तन काल' की समय सीमा निर्धारित की है—**

(a) संवत् 1890 वि.-संवत् 1925 वि.

(b) संवत् 1791 वि.-संवत् 1889 वि.

(c) संवत् 1890 ई.-संवत् 1925 वि.

(d) संवत् 1791 ई.-संवत् 1889 वि.

**P.G.T. परीक्षा, 2009**

**उत्तर—(a)**

मिश्रबन्धुओं ने 'मिश्रबन्धु विनोद' में काल विभाजन का प्रयास किया, जो इस प्रकार है-(1) प्रारम्भिक काल 700 से 1440 वि. तक, (2) माध्यमिक काल 1445 से 1680 वि. तक, (3) अलंकृत काल 1681 से 1889 वि. तक, (4) परिवर्तन काल 1890 से 1925 वि. तक तथा (5) वर्तमान काल 1926 वि. से अब तक।

**25. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने प्रथम उत्थान का समय कब-से-कब तक निर्धारित किया है?**

(a) 1850 से1885 ई. (b) 1857 से1900 ई.
(c) 1868 से1893 ई. (d) 1800 से1850 ई.

**P.G.T. परीक्षा, 2013**

**उत्तर—(c)**

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने प्रथम उत्थान का समय 1868-1893 ई. (संवत् 1925-1950) तक तथा द्वितीय उत्थान का समय 1893 -1918 ई. (संवत् 1950-1975) तक तय किया है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का प्रभाव भाषा और साहित्य दोनों पर बड़ा गहरा पड़ा। उन्होंने जिस प्रकार हिन्दी गद्य को परिमार्जित करके उसे बहुत ही सरल, मधुर और स्वच्छ रूप दिया, उसी प्रकार हिन्दी साहित्य को भी नए मार्ग पर लाकर खड़ा कर दिया, उनके भाषा संस्कार की महत्ता को सब लोगों ने मुक्तकण्ठ से स्वीकार किया और वे वर्तमान हिन्दी गद्य के प्रवर्तक माने गये।

**26. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' के 'आधुनिक गद्य साहित्य परम्परा का प्रवर्तन' के अन्तर्गत 'प्रथम उत्थान' की कालावधि निर्धारित की है।**

(a) सं 1900 से 1950 विक्रमी तक
(b) सं 1925 से 1950 विक्रमी तक
(c) सं 1925 से 1975 विक्रमी तक
(d) सं 1900 से 1925 विक्रमी तक

**T.G.T. परीक्षा, 2009**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**27. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने द्वितीय उत्थान का समय कब-से-कब तक तय किया है?**

(a) 1893 से1918 ई. (b) 1900 से1920 ई.
(c) 1885 से1918 ई. (d) 1903 से1920 ई.

**P.G.T. परीक्षा, 2013**

**उत्तर—(a)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**28. नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना कब हुई थी?**

(a) 1867 ई.में (b) 1850 ई.में
(c) 1885 ई.में (d) 1893 ई.में

**P.G.T. परीक्षा, 2013**

**उत्तर—(d)**

काशी नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना 1893 ई. में श्याम सुन्दर दास जी ने की थी। नागरी प्रचारिणी सभा, हिन्दी भाषा और साहित्य तथा देवनागरी लिपि की उन्नति एवं प्रचार और प्रसार करने वाली भारत की अग्रणी संस्था है। हिन्दी साहित्य के नियमन, नियंत्रण और संचालन में इस सभा का महत्वपूर्ण स्थान है। यहाँ से 'हिन्दी शब्दसागर' का प्रकाशन किया गया। इस शब्दकोश के लेखक श्याम सुन्दर दास थे।

**29. काशी नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना हुई थी-**

(a) 1895 ई.में (b) 1893 ई.में
(c) 1898 ई.में (d) 1890 ई.में

**T.G.T. पुनर्परीक्षा, 2004**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**30. 'नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना हुई थी-**

(a) 1910 (b) 1893
(c) 1800 (d) इनमें से कोई नहीं

**P.G.T. परीक्षा, 2003**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**31. 'हिन्दी शब्दसागर' का प्रकाशन किस संस्था ने किया था?**

(a) हिन्दी साहित्य सम्मेलन
(b) नागरी प्रचारिणी सभा
(c) इंडियन प्रेस
(d) राष्ट्रभाषा परिषद्

**P.G.T. परीक्षा, 2013**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**32. 'नागरी प्रचारिणी सभा' के संस्थापकों में कौन नहीं थे?**

(a) बाबू श्याम सुन्दर दास
(b) पं. रामनारायण मिश्र
(c) रामचन्द्र वर्मा
(d) ठाकुर शिव कुमार सिंह

**G.I.C. (प्रवक्ता)परीक्षा, 2012**

**उत्तर—(c)**

नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना 16 जुलाई, 1893 को वाराणसी में हुई, जिसकी स्थापना में बाबू श्याम सुन्दर दास, पं. रामनारायण मिश्र तथा ठाकुर शिव कुमार सिंह जैसी प्रभृतियों का मुख्य योगदान रहा।

**अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**

➲ आचार्य रामचन्द्र वर्मा हिन्दी के साहित्यकार एवं कोशकार रहे हैं। ये हिन्दी शब्द सागर के सम्पादक मंडल के प्रमुख सदस्य थे। इन्होंने आचार्य किशोरीलाल बाजपेयी के साथ मिलकर 'अच्छी हिन्दी' का आन्दोलन चलाया और हिन्दी का मानकीकरण हुआ। इन्होंने सन् 1919 में 'महात्मा गाँधी' नामक पुस्तक लिखी।

**33. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना किस वर्ष में हुई थी?**

(a) वि.सं.1800 में (b) 1800 ई.में
(c) 1798 ई.में (d) 1802 ई.में

**T.G.T. पुनर्परीक्षा, 2004**

**उत्तर—(b)**

वेलेजली ने जॉन गिलक्राइस्ट की अध्यक्षता में 'ओरियंटल सैमिनरी' की स्थापना की। बाद में यही संस्था 'फोर्ट विलियम कॉलेज' के रूप में परिवर्तित हुई। फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना टीपू सुल्तान पर ब्रिटेन की निर्णायक विजय की स्मृति में 10 जुलाई, 1800 को 'मॉर्केस ऑफ वेलेजली' ने की थी और गिलक्राइस्ट उसके हिन्दुस्तानी विभाग के अध्यक्ष नियुक्त किये गये। उन्होंने हिन्दी के शिक्षण के लिए दो भाषा पण्डितों लल्लू लाल एवं सदल मिश्र की नियुक्ति की।

**34. 'फोर्ट विलियम कालेज' की स्थापना कब हुई?**

(a) 1800 ई. में (b) 1805 ई. में
(c) 1809 ई. में (d) 1810 ई. में

**G.I.C. (प्रवक्ता) परीक्षा, 2017**

**उत्तर—(a)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**35. 'फोर्ट विलियम कॉलेज' की स्थापना कब हुई थी?**

(a) सन् 1800 ई. (b) सन् 1857 ई.
(c) सन् 1885 ई. (d) सन् 1900 ई.

**P.G.T. परीक्षा, 2004**

**उत्तर—(a)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**36. कलकत्ता में स्थापित 'फोर्ट विलियम कॉलेज' के संस्थापक थे—**

(a) जॉन गिलक्राइस्ट (b) सदल मिश्र
(c) राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द' (d) रवीन्द्रनाथ टैगोर

**T.G.T. परीक्षा, 2005**

**उत्तर—(a)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**37. सदल मिश्र की भाषा की विशेषता है-**

(a) पूरबीपन (b) उर्दू की प्रमुखता
(c) सहज एवं प्रवाहमयी भाषा (d) किस्सागोई

**P.G.T. परीक्षा, 2010**

**उत्तर—(a)**

सदल मिश्र बिहार प्रान्त के शाहाबाद जिले के धुवडीहा गाँव के रहने वाले शाकद्वीपीय ब्राह्मण थे। इनके पिता का नाम नन्दमणि मिश्र था। यह कलकत्ता के फोर्ट विलियम कॉलेज के हिन्दुस्तानी विभाग में अध्यापक थे। सदल मिश्र का प्रारम्भिक खड़ी बोली गद्य लेखकों में विशेष महत्व है। इनके शब्द संघटन और वाक्य विन्यास दोनों में ही ब्रजभाषा, पूरबीपन और बांग्ला इन तीनों का प्रभाव स्पष्ट लक्षित होता है।

**अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**

- आधुनिक काल में जिस भाषा में हिन्दी गद्य लिखा जा रहा है, वह खड़ी बोली गद्य ही है।
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने खड़ी बोली गद्य का प्रारम्भ अकबर के दरबारी कवि गंग द्वारा लिखित 'चन्द छन्द बरनन की महिमा' से माना है।
- सदल मिश्र हिन्दी के पहले गद्यकार हैं। सदल मिश्र की दो गद्य कृतियाँ प्रसिद्ध हैं- 1. नासिकेतोपाख्यान या चन्द्रावती (1803), 2. रामचरित (1806)।
- रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार, सदल मिश्र ने व्यावहारोपयोगी भाषा लिखने का प्रयत्न किया है।
- श्यामसुन्दर दास ने तत्कालीन गद्य लेखकों में इंशाअल्ला खाँ के बाद दूसरा स्थान सदल मिश्र का ही स्वीकार किया है।
- लल्लू लाल की रचना 'प्रेम सागर' में ब्रजभाषा का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है तथा शैली आख्यात्मक है।
- मुंशी सदासुख लाल की रचना 'सुखसागर' एक धार्मिक ग्रन्थ है। इसकी भाषा पर पण्डिताऊपन एवं फारसी का प्रभाव है। इंशाअल्ला खाँ की रचना 'रानी केतकी की कहानी' है, जिसे 'उदयभान चरित' भी कहा जाता है। इसकी भाषा पर उर्दू, अरबी एवं फारसी का प्रभाव है।
- फोर्ट विलियम कॉलेज में जॉन गिलक्राइस्ट हिन्दी-उर्दू के अध्यापक थे। इन्होंने आगरा के 'लल्लू लाल' और आरा के 'सदल मिश्र' को भाषा मुंशी के रूप में नियुक्त किया।
- सदल मिश्र की अन्य कृतियाँ हैं—फूलन्ह के बिछाने, सोनम के थम्भ, चहुँदिसि, बरते थे, बाजने लगा, काँदती है आदि।

**38. लल्लू जी लाल का सर्वाधिक प्रसिद्ध ग्रन्थ है—**

(a) शकुन्तला नाटक
(b) प्रेमसागर
(c) सिंहासन बत्तीसी
(d) बैताल पच्चीसी

**दिल्ली केन्द्रीय विद्यालय (P.G.T.) परीक्षा, 2015**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**39. 'प्रेमसागर' किसकी रचना है?**

(a) सदल मिश्र (b) लल्लू लाल
(c) इंशाअल्ला खाँ (d) नासिकेतोपाख्यान

**P.G.T. परीक्षा, 2011**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**40. 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं-**

(a) सदल मिश्र (b) लल्लू लाल

(c) इंशाअल्ला खाँ (d) सदासुख लाल

**T.G.T. परीक्षा, 2011**

**P.G.T. परीक्षा, 2004**

**आश्रम पद्धति (प्रवक्ता) परीक्षा, 2012**

**उत्तर—(c)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**41. 'रानी केतकी की कहानी' के रचनाकार हैं—**

(a) लल्लू लाल

(b) सदल मिश्र

(c) इंशाअल्ला खाँ

(d) राजा लक्ष्मण सिंह 'सितारे हिन्द'

**G.I.C. (प्रवक्ता)परीक्षा, 2012**

**आश्रम पद्धति (प्रवक्ता) परीक्षा, 2009**

**उत्तर—(c)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**42. निम्नलिखित में से कौन फोर्ट विलियम कॉलेज (कलकत्ता) में हिन्दी के अध्यापक थे?**

(a) इंशाअल्ला खाँ (b) सदल मिश्र

(c) राजा लक्ष्मण सिंह (d) सदासुखलाल

**P.G.T. परीक्षा, 2001**

**उत्तर—(b)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**43. इनमें से कौन कलकत्ता के फोर्ट विलियम कॉलेज से सम्बद्ध थे?**

(a) लल्लू लाल

(b) इंशाअल्ला खाँ

(c) सदासुख लाल

(d) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

**P.G.T. परीक्षा, 2011**

**उत्तर—(a)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**44. 'नासिकेतोपाख्यान' के लेखक हैं-**

(a) सदल मिश्र (b) इंशाअल्ला खाँ

(c) लल्लू लाल (d) इनमें से कोई नहीं

**T.G.T. पुनर्परीक्षा, 2004**

**उत्तर—(a)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**45. 'नासिकेतोपाख्यान' के लेखक हैं-**

(a) लल्लू लाल (b) सदासुख लाल

(c) इंशाअल्ला खाँ (d) सदल मिश्र

**T.G.T. परीक्षा, 2005**

**उत्तर—(d)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**46. इनमें से 'सदल मिश्र' की रचना कौन-सी है?**

(a) रानी केतकी की कहानी (b) प्रेमसागर

(c) सुखसागर (d) नासिकेतोपाख्यान

**T.G.T. परीक्षा, 2011**

**उत्तर—(d)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**47. उदयभान चरित के लेखक हैं-**

(a) लल्लू लाल (b) सदल मिश्र

(c) सदासुख लाल (d) इंशाअल्ला खाँ

**T.G.T. परीक्षा, 2002**

**उत्तर—(d)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**48. 'सुखसागर' की रचना किसने की?**

(a) सदल मिश्र (b) लल्लू लाल

(c) इंशाअल्ला खाँ (d) सदासुख लाल

**T.G.T. परीक्षा, 2009**

**उत्तर—(d)**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**49. 'सुखसागर' का विषय है-**

(a) शिव पुराण के प्रेरक प्रसंग

(b) गीता के प्रेरक प्रसंग

(c) विष्णु पुराण के उपदेशात्मक प्रसंग

(d) इनमें से कोई नहीं

**दिल्ली केन्द्रीय विद्यालय (P.G.T.) परीक्षा, 2015**

**उत्तर—(c)**

डॉ. नगेन्द्र अपनी पुस्तक 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में लिखते हैं कि मुंशी सदासुखराय निसार (नियाज नहीं), जिनके नाम से 'सुखसागर' शीर्षक ग्रंथ का उल्लेख प्रायः सभी इतिहास पुस्तकों में किया गया है, 'सुखसागर' शीर्षक किसी ग्रंथ के रचयिता नहीं हैं, अपितु 'सुखसागर' इनका उपनाम था। 'विष्णु पुराण' या 'भागवत' का मुंशी जी ने पद्यानुवाद किया था। इनकी अन्य दो गद्य-रचनाएँ अवश्य प्राप्त हैं- 'सुरासुर-निर्णय' (निबन्धात्मक रचना, सज्जन-दुर्जन का विवेचन) और 'वार्तिक' (बाबा दयालुदास के ध्रुवपदों का भाष्य)।